पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने मोहर्रम पर आधारित फोटो एवं पेंटिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

लखनऊः 14 सितम्बर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज केन्द्रीय ललित कला अकादमी अलीगंज में नार्थ इण्डिया जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा मोहर्रम पर आयोजित फोटो एवं पेंटिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर श्री प्रदीप सहरावत, श्री मोहम्मद हारून, श्री दीपक गुप्ता, श्री वैभव श्रीवास्तव, श्री शहाब हसन, श्री विशाल सिंह, श्री हसन हैदर याकूब, डॉ0 हसन रज़ा, श्री आदित्य कुमार आदि को अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने के लिये अवार्ड 'निशान-ए-इमाम हूसैन' देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रो0 शारिब रूदौलवी, स्वामी सारंग, वरिष्ठ पत्रकार श्री हेमन्त तिवारी, मौलाना शाह हसनैन बकाई, डॉ0 साबरा हबीब, नवाब मीर अब्दुल्ला जाफर, श्री अनीस अंसारी व अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हूये कहा कि 'कर्बला क्या है, इमाम हूसैन कौन हैं पर मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, जबकि पूर्व के वक्ताओं ने बहूत कुछ कहा है। कर्बला कोई जलसा नहीं है बल्कि एक वाक्या है जिसने एक नया इतिहास रचा। इतिहास से ही भविष्य का रास्ता निकलता है। कर्बला के इतिहास को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित कर एकता का संदेश देने का अच्छा प्रयास है। भारत की विशेषता है कि धर्म और वेश में चाहे जितनी विभिन्ता हो पर सभी एक देश के वासी हैं। उन्होंने कहा कि भारत वसुधैव कुटुम्बकम् में विश्वास करता है। विशाल हृदय वाले तेरा और मेरा का विचार नहीं करते हैं।

श्री नाईक ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि यह प्रदर्शनी गत 10 वर्षों से निरन्तर आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब वे 2014 में उत्तर प्रदेश में राज्यपाल बन कर आये थे तब से लेकर आज तक वे पांचवी बार इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पांच सालों से लगातार आने के कारण मैं इस प्रदर्शनी से अपनेपन का अनुभव कर रहा हूँ। कवि और शायर जिस प्रकार शब्दों से अपनी भावना व्यक्त करते हैं वैसे ही छायाकार चित्र निर्माण में अपनी जान लगा देते हैं। उन्होंने कहा कि चित्र बनाना या फोटो खीचना मन के भाव को प्रदर्शित करता है।

स्वामी सांरग ने कहा कि इमाम हूसैन एक ऐसा किरदार हैं जिनको जितना जानो उतना चरित्र निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि उनका रास्ता इंसानियत का रास्ता है।

प्रो0 शारिब रूदौलवी ने कर्बला के इतिहास पर अपने विचार रखते हुये कहा कि कर्बला इंसानियत, सच्चाई और बदलाव की एक पहचान है।

वरिष्ठ पत्रकार श्री हेमन्त तिवारी ने कहा कि इंसानियत और अमन को बनाये रखने के लिये इमाम हुसैन का संदेश आज भी प्रासंगिक है।

अंजुम/ललित/राजभवन (361/27)

Shree Swami Sarang
Mr. Ram Naik
Hon'ble Governor of U.P.
Prof. Sharib Ridaulvi

Sunni Tazyedaar